SHRI JANKI LAL BHAND

Shri Janki Lal Bhand is a skilled performer of the art of impersonation (Bahrupia) and has preserved this form of entertainment since the days of princely states.

2. Born on 1st January, 1943 in the present Chittor district of Rajasthan, Shri Bhand completed his primary education in Chittorgarh. Adopting this art inherited from his father, he started working in Bhilwara to provide financial support to the family. He kept performing after working hours with full support from his wife.

3. Shri Bhand has been working with dedication to preserve the extinct Bahrupiya art forms like Gadolia Lohar (female disguise), Fakir, Kabuli Pathan, Kalbeliya, Narada, Seth-Sethani, Laila-Majnu, Pagal, Hanuman, Monkey etc. He performed his art in the entire Rajasthan, India and abroad. He is addressed as Monkey Man in foreign countries. He even mesmerized the then Prime Minister Rajiv Gandhi with his art in the Apna Utsav organized in Delhi in 1986. Apart from Rajasthan, he also displayed his art in Delhi, Madhya Pradesh, Punjab, Goa, Maharashtra, Gujarat etc. and received appreciation and awards. This impersonation art was also demonstrated by him in Glasgow Fair 1990, European Tour 1991, Berlin New Castle, London and Birmingham.

4. Shri Bhand has been honoured with many awards. He was honoured by Western Cultural Center in the Apna Utsav program organized in Delhi in 1986, honoured by the Government of Goa, Daman and Diu in the Silver Jubilee function in 1986. In the National Impersonation Conference in 1990, honoured by the West Zone Culture Center, Udaipur, honoured with District level honour by District Collector Bhilwara on the occasion of Independence Day 1990; honoured with Sujan Shri 97 Award by Sujan Sanskriti Manch, Ajmer; honoured by the Western Zone Cultural Center for the impersonation art performance at the Folk Utsav Gujarat in 1997; honoured by West Zone Cultural Center, Udaipur for the impersonation art display at Srijan Utsav Shilpgram; Karmadhari Samman by Rajasthan Patrika in 2005-06; honoured by West Zone Cultural Center in Shilpgram Utsav in 2008; District level honour on Republic Day 2012; District level honour by District Collector and Minister of State on Republic Day 2023 and honoured with Kala-Purodha Award by the State Government of Rajasthan on 25 March 2023 in Jodhpur.

श्री जानकी लाल भाण्ड

श्री जानकी लाल भाण्ड पररूपधारण (बहुरूपिया) कला के कुशल कलाकार हैं और उन्होंने रियासतों के समय से मनोरंजन की इस विधा को बरकरार रखा है।

2. 01 जनवरी, 1943 को राजस्थान के वर्तमान चित्तौड़ जिले में जन्मे, श्री भाण्ड ने अपनी प्राथमिक शिक्षा चित्तौड़गढ़ में पूरी की। अपने पिता से विरासत में मिली इस कला को अपनाकर उन्होंने परिवार को आर्थिक सहयोग देने के लिए भीलवाड़ा में काम करना शुरू कर दिया। वह अपनी पत्नी के पूरे सहयोग से घंटों कार्य करते हुए अपनी इस कला का प्रदर्शन करते रहे।

3. श्री भाण्ड विलुप्त होने के कगार पर खड़ी बहरूपिया कला विधाओं जैसे गाडोलिया लोहार (महिला भेष), फकीर, काबुली पठान, कालबेलिया, नारद, सेठ–सेठानी, लैला–मजनू, पागल, हनुमान, बंदर आदि को संरक्षित करने के लिए समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन संपूर्ण राजस्थान, भारत और विदेश में किया। विदेशों में उन्हें मंकी मैन के नाम से जाना जाता है। दिल्ली में वर्ष 1986 में आयोजित अपना उत्सव में उन्होंने अपनी कला से तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी मंत्रमुग्ध कर दिया था। उन्होंने राजस्थान के अलावा दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात आदि राज्यों में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया और सराहना एवं पुरस्कार प्राप्त किये। इसके साथ–साथ इस पररूपधारण कला का प्रदर्शन ग्लासगो मेला 1990, यूरोपियन टूर 1991, बर्लिन न्यू कैसल, लंदन और बर्मिंघम में किया गया था।

4. श्री भाण्ड को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। दिल्ली में वर्ष 1986 में आयोजित अपना उत्सव कार्यक्रम में उन्हें पश्चिमी सांस्कृतिक केंद्र द्वारा सम्मानित किया गया, साथ ही वर्ष 1986 में रजत जयंती समारोह में गोवा, दमन और दीव सरकार द्वारा सम्मानित किया गया ; वर्ष 1990 में राष्ट्रीय पररूपधारण सम्मेलन में उन्हें पश्चिमी क्षेत्र संस्कृति केंद्र द्वारा सम्मानित किया गया ; स्वतंत्रता दिवस 1990 के अवसर पर उदयपुर, जिला कलेक्टर भीलवाड़ा द्वारा जिला स्तरीय सम्मान; सुजान संस्कृति मंच, अजमेर द्वारा सुजान श्री 97 पुरस्कार; वर्ष 1997 में लोक उत्सव गुजरात में पररूपधारण कला प्रदर्शन के लिए पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा पुरस्कार; सृजन उत्सव शिल्पग्राम में पररूपधारण कला प्रदर्शन के लिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा पुरस्कार; वर्ष 2005–06 में राजस्थान पत्रिका द्वारा कर्मधारी सम्मान; वर्ष 2008 में शिल्पग्राम उत्सव में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा पुरस्कार; गणतंत्र दिवस 2012 पर जिला स्तरीय सम्मान; गणतंत्र दिवस 2023 पर जिला कलक्टर एवं राज्य मंत्री द्वारा जिला स्तरीय सम्मान; जोधपुर में राज्य सरकार द्वारा दिनांक 25 मार्च 2023 को कला–पुरोधा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।